Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
M.B.R.R.V.Pd. College, Ara

स्ट्रोक में तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक कमियाँ (Neuropsychological Deficits in Stroke)

1. **परिचय (Introduction)**

   Stroke (स्ट्रोक) एक ऐसी न्यूरोलॉजिकल स्थिति है जिसमें मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति अचानक कम या बंद हो जाती है। इसके कारण मस्तिष्क की कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे cognitive, emotional और behavioral functions प्रभावित होते हैं।

   जब स्ट्रोक के बाद मानसिक प्रक्रियाओं (जैसे स्मृति, भाषा, ध्यान, सोच) में गड़बड़ी होती है, तो इन्हें Neuropsychological Deficits कहा जाता है।

2. **स्ट्रोक के प्रकार और मनोवैज्ञानिक प्रभाव**

   (A) Ischemic Stroke

   - रक्त का थक्का (clot)
   - अधिकतर cognitive deficits इसी में पाए जाते हैं

   (B) Hemorrhagic Stroke

   - मस्तिष्क में रक्तस्राव
   - emotional disturbance और confusion अधिक

3. **प्रमुख Neuropsychological Deficits**

   (i) Aphasia (भाषा विकार)

   परिभाषा:

   - भाषा को समझने या बोलने की क्षमता में कमी।

Edit with WPS Office

कारण:

- Left hemisphere (Broca's और Wernicke's area) में स्ट्रोक

प्रकार:

- Broca's Aphasia: बोलने में कठिनाई, समझ ठीक
- Wernicke's Aphasia: बोलना fluent लेकिन अर्थहीन, समझ खराब
- Global Aphasia: बोलना और समझना दोनों प्रभावित

Clinical Example: (उदाहरण)

- रोगी शब्द ढूँढ नहीं पाता या गलत शब्द बोलता है।

(il) Memory Impairment (स्मृति दोष)

प्रभावित स्मृति प्रकार:

- Short-term memory
- Working memory
- Episodic memory

कारण:

- Hippocampus
- Temporal lobe stroke

Clinical Example: (उदाहरण)

रोगी हाल की बातें भूल जाता है लेकिन पुरानी यादें सुरक्षित रहती हैं।

(iii) Attention Deficits (ध्यान की कमी)

लक्षण:

- ध्यान केंद्रित न कर पाना
- जल्दी distract होना
- Multitasking में असमर्थता

Edit with WPS Office

कारण:

- Right hemisphere
- Frontal lobe damage

(iv) Executive Function Deficits

Executive functions में शामिल हैं:

- Planning
- Decision making
- Problem solving
- Self-control

कारण:

- Frontal lobe stroke

Clinical Example (उदाहरण):

- रोगी दैनिक काम की योजना नहीं बना पाता।

(v) Visuospatial Deficits

परिभाषा:

- स्थान और वस्तुओं की पहचान में कठिनाई

विशेष रूप:

- Hemispatial Neglect

कारण:

- Right parietal lobe stroke

Clinical Example: (उदाहरण)

- रोगी प्लेट के केवल एक तरफ का खाना खाता है।

Edit with WPS Office

(vi) Apraxia (क्रियात्मक विकार)

परिभाषा:

- आदेश समझने के बावजूद सीखी हुई गतिविधियाँ न कर पाना

कारण:

- Left parietal lobe

Clinical Example: (उदाहरण)

- कंघी करना या कपड़े पहनना भूल जाना

(vii) Emotional और Personality Changes

सामान्य परिवर्तन:

- Depression
- Anxiety
- Emotional lability (अचानक रोना/हँसना)
- Irritability

कारण:

- Limbic system और frontal areas

Clinical Example: (उदाहरण)

- रोगी में Post-Stroke Depression बहुत सामान्य है।

(viii) Cognitive Slowing (मानसिक मंदता)

- सोचने की गति धीमी
- प्रतिक्रिया समय बढ़ जाता है
- सूचना प्रसंस्करण में कठिनाई

Edit with WPS Office

4. **Hemisphere के अनुसार Deficits**

Left Hemisphere Stroke	Right Hemisphere Stroke
• Aphasia	Visuospatial neglect
• Verbal memory loss	Emotional perception deficit
• Logical thinking loss	Poor attention

5. **Assessment of Neuropsychological Deficits**

प्रमुख परीक्षण:

- Mini Mental State Examination (MMSE)
- Neuropsychological Test Battery
- Memory tests
- Language assessment

6. **Rehabilitation और उपचार**

- Cognitive rehabilitation therapy
- Speech therapy
- Psychological counseling
- Occupational therapy
- Family education

7. **निष्कर्ष (Conclusion)**

स्ट्रोक केवल शारीरिक विकलांगता ही नहीं बल्कि गंभीर मनोवैज्ञानिक और संज्ञानात्मक समस्याएँ भी उत्पन्न करता है। सही समय पर neuropsychological assessment और rehabilitation से रोगी की जीवन-गुणवत्ता में सुधार संभव है।

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office